पढ़े चलो, बढ़े चलो

Samagra Shiksha Abhiyan (Secondary Education)

प्रश्न बैंक

2021–22

विषय: लेखा शास्त्र

कक्षा : 12वीं

समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्डरी एजुकेशन) लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र.

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल

आमुख

प्रदेश में संचालित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में छात्र/छात्राओं का परीक्षा परिणाम लेखाशास्त्र विषय में आशा अनरुप नहीं रहता है। शालाओं के समय–समय पर विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान यह देखा गया है कि छात्र–छात्राओं का लेखाशास्त्र विषय में ज्ञान का स्तर संतोषजनक नहीं है।

आगामी परीक्षा की तैयारी एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम हेतु यह **प्रश्न बैंक** तैयार किया गया है। जिसके उपयोग से शिक्षक अपने समस्त छात्रों को बेहतर अंक प्राप्त करने एवं अगली कक्षा में जाने हेतु समर्थ बना सकेंगे।

इस मटेरियल को ब्लूप्रिन्ट के अनुसार उन महत्वपूर्ण पाठ्य वस्तुओं का समावेश कर तैयार किया गया है जो कि प्रभावी शिक्षण एवं छात्र–छात्राओं के लेखाशास्त्र विषय में औसत दक्षता विकसित करने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु लाभकारी सिद्ध होगा।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों का चिन्हांकन आपके द्वारा कर लिया गया होगा। यदि आपके स्कूल में एक से अधिक सेक्शन है तो विद्यार्थियों के ग्रेड के आधार पर सेक्शन में विद्यार्थियों का पुनर्वितरण कर दें। तथा एक ग्रेड के विद्यार्थियों को एक सेक्शन में रखें ताकि उन विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुरूप पढाया जाये।

प्रदेश के समस्त हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों से अपेक्षा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि वे इस माड्यूल से शाला के छात्र–छात्राओं को लेखाशास्त्र विषय का नियमित निदानात्मक कक्षाओं में अभ्यास करायेंगे ताकि प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में सफल हो सके।

शिक्षकों से अपेक्षित कार्यवाही –डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थयों को आगामी 2 माह तक इस प्रश्न बैंक अनुसार अभ्यास कराएं। विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न को किस तरह लिखना है इसे समझाएं । विद्यार्थियों द्वारा की जा रही गलतियों को सुधारें।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2021–22
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– 12वीं
विषय :– लेखाशास्त्र(Accountancy)

पूर्णांक :– 80
समय :– 3:00 घंटे

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	
1	अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन	10	05	01	01	–	02
2	साझेदारी लेखांकन– आधारभूत अवधारणायें	10	04	01	–	01	02
3	साझेदारी फर्म का पुनर्गठन– साझेदार का प्रवेश	10	04	01	–	01	02
4	साझेदार की निवृत्ति/मृत्यु, साझेदारी फर्म का विघटन	10	03	02	01	–	03
5	अंश पूंजी के लिए लेखांकन, ऋणपत्रों का निर्गमन एवं मोचन	20	07	03	01	01	05
6	कम्पनी के वित्तीय विवरण, वित्तीय विवरणों का विश्लेषण	12	07	01	01	–	02
7	लेखांकन अनुपात, रोकड़ प्रवाह विवरण	08	02	01	–	01	02
	कुल योग	80	32	20	12	16	18+5=23

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश –

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 07 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य में उत्तर 07 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान ईकाई/उप ईकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी –

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	02 अंक	लगभग 30 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	03 अंक	लगभग 75 शब्द
विश्लेषणात्मक	04 अंक	लगभग 120 शब्द

2. 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40 प्रतिशत पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत विश्लेषणात्मक प्रश्न होगें।
3. सत्र 2021–22 हेतु कम किये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पत्र में प्रश्न न दिये जाये।
4. पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रायोजना कार्य हेतु 20 अंक आवंटित है।

कक्षाः– 12वीं
विषयः– लेखा शास्त्र (वाणिज्य संकाय)

कम किए गए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

क्र.	इकाई /खण्ड	अध्याय	कम किये गये अध्याय/ विषय वस्तु का नाम
1	भाग–1	अध्याय–1	1.5 – तुलन पत्र 1.7 – तलपट पर आधारित आय व्यय खाता 1.8 – प्रासंगिक व्यापारिक क्रिया कलाप
	भाग– 1	अध्याय–2	2.7 – पूर्व समायोजन 2.8 – अंतिम लेखे
	भाग– 1	अध्याय–3	3.8 – पूंजी का समायोजन
	भाग– 1	अध्याय–4	4.8 – साझेदार्त्ते की पूंजी का समायोजन
	भाग– 1	अध्याय–5	5.4 – लेखांकन व्यवहार
2	भाग– 2	अध्याय–2	2.6 – रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋण पत्रों का निर्गमन 2.7 – ऋण पत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन 2.8 – ऋण पत्रों के निर्गमन की शर्तें 2.9 – ऋण पत्रों पर ब्याज 2.10 – ऋण पत्रों के निर्गमन पर बटटा का अपलेखन 2.11 – ऋण पत्रों का मोचन 2.12 – एकमुश्त भुगतान द्वारा मोचन 2.13 – खुले बाजार में क्रय द्वारा मोचन 2.14 – परिवर्तन द्वारा मोचन
3	भाग– 2	अध्याय– 6	6.6 – प्रचालन क्रिया कलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना 6.7 निवेश एवं वित्तीय क्रिया कलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना 6.8 – रोकड़ प्रवाह विवरण का निर्माण

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
5	1	1	-	10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

1. प्राप्ति भुगतान खाते का शेष सदैव होता है-
   (a) जमा शेष (b) नामशेष
   (c) आधिक्य (d) कमी
2. वर्ष में चंदे की प्राप्त अग्रिम राशि कहलाती है-
   (a) आय (b) व्यय
   (c) दायित्व (d) संपत्ति
3. लाभ न कमाने वाली संस्थाएं बनाती है -
   (a) आय व्यय खाता (b) लाभ हानि खाता
   (c) व्यापार खाता (d) निर्माण खाता
4. आय व्यय खाते में व्यवहारों को लिखा जाता है-
   (a) केवल आगम प्रकृति के (b) पूंजी प्रकृति के
   (c) दोनों प्रकृति के (d) उपयुक्त में कोई नहीं
5. निम्नलिखित में से कौन सी संस्था अलाभकारी संस्था नहीं है-
   (a) कॉलेज (b) अस्पताल
   (c) सार्वजनिक कंपनी (d) क्लब
6. प्राप्ति एवं भुगतान खाता है -
   (a) व्यक्तिगत खाता (b) वास्तविक खाता
   (c) नाममात्र खाता (d) इनमें से कोई नहीं
7. बकाया चंदा है -
   (a) आय (b) व्यय
   (c) संपत्ति (d) दायित्व

8. पुराने अखबारों की बिक्री है-

(a) पूंजीगत प्राप्ति (b) आयगत प्राप्ति

(c) संपत्ति (d) लाभ

9. विशिष्ट दान है –

(a) पूंजीगत प्राप्ति (b) आयगत प्राप्ति

(c) सम्पत्ति (d) दायित्व

10. विरासत को मानना चाहिए-

(a) दायित्व (b) आयगत प्राप्ति

(c) पूंजीगत प्राप्ति (d) संपत्ति

11. गैर व्यापारिक संस्थाओं के अधिकांश लेनदेन होते हैं -

(a) नकद (b) उधार

(c) नकद और उधार दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

12. आय व्यय खाता है -

(a) व्यक्तिगत खाता (b) वास्तविक खाता

(c) नाम मात्र खाता (d) इनमें से कोई नहीं

13. गैर व्यापारिक संगठनों का आजीवन सदस्यता शुल्क है -

(a) पूंजीगत प्राप्ति (b) आयगत प्राप्ति

(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

14. गैर व्यापारिक संस्थाओं में देयताओ पर परिसंपत्तियों के आधिक्य को कहते हैं-

(a) पूंजी निधि (b) पूंजी

(c) लाभ (d) इनमें से कोई नहीं

15. एक गैर व्यापारिक संस्था के लिए मानदेय होता है-

(a) आय (b) संपत्ति

(c) व्यय (d) इनमें से कोई नहीं

16. यदि स्पष्टतया कुछ ना दिया हो तो प्रवेश शुल्क को माना जाता है-

(a) पूंजीगत प्राप्ति (b) आयगत प्राप्ति

(c) देयता (d) इनमें से कोई नहीं

17. व्यय पर आय की अधिकता को कहा जाता है-

(a) अधिशेष (b) कमी

(c) इनमें से कोई नहीं (d) (a) एवं (b) दोनों

18. विशेष उद्देश्य के लिए प्राप्त चंदा है -

(a) संपत्ति (b) आयगत प्राप्ति

(c) पूंजीगत प्राप्ति (d) इनमें से कोई नहीं

19. वर्ष में 10,000 रुपए का चंदा प्राप्त हुआ अगले वर्ष का चंदा 600 रुपए अग्रिम प्राप्त हुआ तथा 800 रुपए चंदा बकाया है चंदे की राशि आय व्यय खाते में जमा की जावेगी-

(a) Rs. 10,800 (b) Rs. 10,200

(c) Rs. 9,400 (d) Rs. 11,200

20. आय व्यय खाता सामान्यतया दिखाता है-

(a) आधिक्य / घाटा (b) रोकड़ शेष

(c) पूंजी कोष (d) शुद्ध लाभ / हानि

21. प्राप्ति भुगतान खाता सारांश होता है -

(a) बैंक खाते का (b) रोकड़ बही का

(c)आय - व्यय खाते का (d) चिठ्ठे का

22. वर्ष के दौरान स्टेशनरी हेतु 1,080 रुपए चुकाये। वर्ष के प्रारंभ में स्टेशनरी का स्टॉक 300 था वर्ष के अंत में स्टॉक 600 रुपए था। आय व्यय खाते में स्टेशनरी की कितनी राशि लिखी जावेगी-

(a) Rs. 880 (b) Rs. 1300

(c) Rs. 780 (d) Rs. 1080

सत्य/असत्य बताइए -

(1) प्राप्ति भुगतान खाते में केवल पूँजीगत मदें लिखी जाती हैं।

(2) प्राप्ति भुगतान खाते में समायोजन नहीं किये जाते हैं ।

(3) प्राप्ति भुगतान खाते में प्रवेश शुल्क को भुगतान के रूप में दिखाया जाता है ।

(4) पेशेवर व्यक्ति अपना हिसाब किताब रोकड़ पद्धति से रखते हैं ।

(5) गैर व्यापारिक संस्थाओं की मुख्य आय चंदा एवं दान हैं ।

(6) प्राप्ति भुगतान खाता के आधार पर चिट्ठा बनाया जाता है ।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 30 शब्द)

(1) आय - व्यय खाते से क्या आशय है ?

(2) प्राप्ति भुगतान खाता से क्या आशय है ?

(3) गैर व्यापारिक संस्था से क्या आशय है ?

(4) गैर व्यापरिक संस्थाओं की आय की 4 मदें लिखिए ।

(5) गैर व्यापरिक संस्थाओं की व्यय की 4 मदें लिखिए।

(6) प्रवेश शुल्क क्या है ?

(7) चंदा क्या है ?

(8) लेखांकन की रोकड़ पद्धति से क्या आशय है?

(9) आजीवन सदस्यता शुल्क से क्या आशय है ?

(10) स्थिर दान कोष क्या है?

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा -75 शब्द)

(1) प्राप्ति भुगतान खाते की कोई तीन विशेषताएं बताइए।

(2) आय व्यय खाते की कोई तीन विशेषताएं लिखिए।

(3) रॉयल क्लब के 500 सदस्य हैं जो कि ₹300 वार्षिक सदस्यता शुल्क देते हैं चालू वर्ष के लिए 450 सदस्यों ने अपना शुल्क दिया जबकि 20 सदस्यों ने आगामी वर्ष का शुल्क भी दिया। प्राप्ति और भुगतान खाते में सदस्यता शुल्क की कितनी राशि लिखी जाएगी?

(4) प्राप्ति भुगतान खाते एवं आय-व्यय खाते में अंतर लिखिए।

(5) आय व्यय खाते और लाभ हानि खाते में अंतर लिखिए।

(6) "प्राप्ति भुगतान खाता किसी संस्था की आर्थिक स्थिति का द्योतक नहीं है।" समझाइए।

(7) गैर व्यापारिक संस्थाओं द्वारा रखी जाने वाली पुस्तकें कौन कौन सी है ?

(8) एक पुस्तकालय के खातों से प्राप्त निम्न सूचनाओं से वर्ष 2019 के लिए प्राप्ति भुगतान खाता बनाइए -

प्रारंभिक रोकड़ शेष 8000 रू., वर्ष 2019 में प्राप्त प्रवेश 800 रू., प्राप्त चंदे- वर्ष 2019 हेतु 1200 रुपए और वर्ष 2019 में वर्ष 2018 हेतु प्राप्त 600 रू., वर्ष 2019 में किराया चुकाया 300 रू., पुस्तकें खरीदी 1200 रुपए, समाचार पत्र क्रय 600 रू,. वेतन चुकाया 900 रू. ।

(10) भोपाल क्लब के आगम शोधन खाते से प्राप्त सूचना से भोपाल क्लब का आय एवं व्यय खाता 31 मार्च 2019 के लिए बनाइए -

Receipt and Payment A/c

for the year ended 31st March 2019

Dr. Cr.

Receipts	Amt.	Payments	Amt.
रोकड़ शेष (Cash Balance)	500	सामान्य व्यय (General Expenses)	310
वार्षिक चंदा	750	वेतन एवं मजदूरी	240
आजीवन सदस्य शुल्क	200	फर्नीचर (Furniture)	400
(life membership fee)		किराया एवं कर (Rent and Tax)	380
प्रवेश शुल्क (Entrance Fee)	450	समाचार पत्र (Newspaper)	100
विनियोग पर ब्याज		रोकड़ शेष (Cash Bal.)	582
(interest on Investment)	80		
विविध प्राप्तियां			
(Sundry Receipts)	32		
योग	**2012**		**2012**

समायोजन (Adjustments) - वार्षिक चंदा 100 रू. अदत्त है। सामान्य व्यय रु. 20 तथा सेक्रेटरी को वेतन रुपए 60 अदत्त है। फर्नीचर पर ह्रास रु. 50 अपलिखित किया गया।

(11) रोशन आरा क्लब की सूचनाओं को आप आय व्यय खाते में किस प्रकार दर्शाएंगे -

1.	प्राप्ति भुगतान खाते के अनुसार 31 दिसंबर 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्त चंदा	3,00,000 रुपए
2.	31 दिसंबर 2018 को अदत्त चंदा	30,000 रुपए
3.	31 दिसंबर 2018 को प्राप्त अग्रिम चंदा	15,000 रुपए
4.	31 दिसंबर 2019 को अदत्त चंदा	20,500 रुपए
5.	31 दिसंबर 2019 को प्राप्त अग्रिम चंदा	10,000 रुपए

(12) निम्न लिखित जानकारी से 31 मार्च 2017 को आय व्यय खाता बनाइए-

मदें	रूपये	मदें	रूपये
प्राप्त चंदा	1100	विनियोग से ब्याज	380
भाषण से आय	2320	किराया दिया	210
फुटकर व्यय	100	विज्ञापन व्यय	210
छपाई	125		

समिति के पास 1000 रू. वाले दस 4 प्रतिशत ऋणपत्र हैं। वर्ष के अंत में किराये के 80 रू. तथा छपाई के 95 रू. अदत्त है।

(12) 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति भुगतान खाता तैयार कीजिए-

मद	रू.	मद	रू.
प्रा. शेष	880	चंदा	7520
प्रवेश शुल्क	860	दान प्राप्त	1600
किराया प्राप्त	1050	बिजली व्यय	680
कर	100	वेतन	4300
सचिव का मानदेय	500	विनियोग पर आय	590
स्टेशनरी	70	लघु व्यय	180
बीमा प्रीमियम	60		

* * * * *

अध्याय 2

साझेदारी लेखे- आधारभूत अवधारणाएँ

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश,भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	1	-	1	10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) समझौते के अभाव में साझेदार द्वारा दिये गये ऋण पर ब्याज दिया जाता है -

(a) 4% प्रति वर्ष (b) 6% प्रति वर्ष

(c) 9% प्रति वर्ष (d) 5% प्रति वर्ष

(2) यदि साझेदार के आहरण की तिथियां **नहीं** दी गई हो तो आहरण पर ब्याज की गणना की अवधि होती है -

(a) 6 माह (b) $5\frac{1}{2}$ माह

(c) $6\frac{1}{2}$ माह (d) 12 माह

(3) साझेदारों के मध्य लाभ के बंटवारे के लिये बनाया जाता है -

(a) लाभ-हानि खाता (b) लाभ-हानि समायोजन खाता

(c) साझेदारों के चालू खाते (d) लाभ-हानि वितरण खाता

(4) आहरण पर ब्याज है -

(a) फर्म की हानि (b) साझेदारों की आय

(c) फर्म की आय (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

(5) समझौते के अभाव में साझेदारों को प्राप्त करने का अधिकार **नहीं** है -

(a) वेतन (b) कमीशन

(c) पूंजी पर ब्याज (d) उपर्युक्त सभी

(6) साझेदार का फर्म से सम्बन्ध होता है -

(a) स्वामी और सेवक का (b) सेवक का

(c) प्रबंधक का (d) एकाधिकारी का

(7) साझेदारी समझौते के अभाव में पूंजी पर ब्याज दिया जाता है -

(a) 10% वार्षिक (b) 9% वार्षिक
(c) 6% वार्षिक (d) किसी भी दर से नहीं

(8) साझेदारी संलेख तैयार किया जाता है -

(a) अनिवार्य है (b) ऐच्छिक है
(c) अंशतः अनिवार्य है (d) अनावश्यक है

(9) साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ विभाजन होता है -

(a) पूँजी अनुपात में (b) त्याग अनुपात में
(c) समान अनुपात में (d) आय प्राप्ति अनुपात में

(10) साझेदारी व्यवसाय अधिनियम द्वारा संचालित होता है -

(a) साझेदारी अधिनियम 1930 (b) साझेदारी अधिनियम 1932
(c) कम्पनी अधिनियम 1956 (d) भारतीय अनुबंध अधिनियम 1932

(11) एक साझेदारी फर्म में साझेदारों की अधिकतम संख्या संशोधित भारतीय कम्पनी (विविध) नियम 2014 के अनुसार हो सकती है -

(a) 2 (b) 10
(c) 50 (d) कोई सीमा नहीं

(12) साझेदारों का दायित्व होता है -

(a) सीमित (b) असीमित
(c) साझेदारी अधिनियम द्वारा निर्धारित (d) इनमें से कोई नहीं

(13) आहरण पर ब्याज लिखा जाता है -

(a) लाभ-हानि विनियोजन खाता के डेबिट (विक.) पक्ष में
(b) लाभ-हानि विनियोजन खाते के क्रेडिट (समा.) पक्ष में
(c) लाभ-हानि खाता के क्रेडिट (विक.) पक्ष में
(d) चिट्ठा के दायित्व पक्ष में

(14) साझेदारो के पूंजी खाते पर ब्याज क्रेडिट किया जाता है -

(a) लाभ-हानि खाते में (b) ब्याज खाते में
(c) साझेदारों के पूंजी खाते में (d) इनमें से कोई नहीं

(15) जब स्थायी पूँजी पद्धति को अपनाया जाता है तो फर्म की पुस्तकों में साझेदारों के खाते खोले जाते हैं -

(a) केवल पूंजी खाते (b) केवल चालू खाते
(c) पूंजी और चालू खाते (d) इनमें से कोई नहीं

(16) साझेदारों का चालू खाता हमेशा होगा -

(a) नाम शेष (b) जमा शेष
(c) दोनो में से कोई भी (d) इनमें से कोई नहीं

(17) साझेदार के पूँजी पर ब्याज की गणना होती है -

(a) प्रारंभ की पूँजी पर (b) अन्त की पूँजी पर

(c) औसत पूँजी पर (d) इनमें से कोई नहीं

(18) चालू खाता है -

(a) व्यक्तिगत खाता (b) वास्तविक खाता

(c) नाममात्र खाता (d) इनमें से कोई नहीं

(19) पूँजी पर ब्याज को सामान्यतया मानना चाहिए -

(a) लाभ का विनियोजन (b) एक सम्पत्ति

(c) एक व्यय (d) एक दायित्व

(20) स्थिर पूंजी खाता विधि के अन्तर्गत साझेदारों के पूँजी खाते पर ब्याज क्रेडिट किया जाता है-

(a) साझेदारों के पूँजी खाते में (b) लाभ-हानि खाता में

(c) ब्याज खाते में (d) साझेदारों के चालू खाते में

(21) साझेदारी समझौता हो सकता है -

(a) मौखिक (b) लिखित

(c) मौखिक या लिखित (d) इनमें से कोई नहीं

सही जोड़ी बनाइए -

(1) लिखित समझौता	(a) स्थाई पूँजी खाता
(2) चालू खाता	(b) साझेदार का ऋण
(3) आंतरिक दायित्व	(c) साझेदार बन सकते हैं
(4) केवल व्यक्ति ही	(d) साझेदारी संलेख

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 30 शब्द)

(1) साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा लिखिए।

(2) साझेदारी संलेख से क्या आशय है ?

(3) लाभ-हानि नियोजन खाता से क्या आशय है ?

(4) विभाजन योग्य लाभ से क्या आशय है ?

(5) लाभ की गारण्टी से क्या आशय है ?

(6) साझेदारी से क्या आशय है ?

(7) यदि कोई साझेदार प्रत्येक माह के प्रथम दिन 1500 रू. वर्ष भर आहरित करता है तो 10% वार्षिक दर से वर्ष का आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।

(8) यदि कोई साझेदार प्रत्येक माह के अंतिम दिन 1000 रू. वर्ष भर आहरित करता है तो 10% वार्षिक दर से वर्ष का आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।

(9) एक साझेदार ने 1000 रू. प्रति माह के मध्य में वर्ष भर आहरित किए। 12% वार्षिक दर से आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।

विश्लेष्णात्मक प्रश्न (शब्द सीमा - 120 शब्द)

(1) साझेदारी की किन्ही 4 विशेषताओं को समझाइये।

(2) स्थिर पूँजी खाता एवं परिवर्तनशील पूँजी खाता में अंतर लिखिए।

(3) साझेदारी संलेख की प्रमुख बातें लिखिए।

(4) साझेदार को क्या - क्या अधिकार प्राप्त होते हैं ?

(5) साझेदारी संलेख के आभाव में लागू होने वाले नियम लिखिए।

(6) 1 जनवरी, 2019 को 'अ' और 'ब' क्रमशः 1,00,000 रू. और 1,20,000 रू. की पूँजी लगाकर साझेदार है। उसी दिन 'अ' ने फर्म को 45,000 रू. का ऋण दिया है। उस वर्ष का लाभ 45,000 रू. है। साझेदारी समझौते के अभाव में आप साझेदारों में लाभ का विभाजन किस प्रकार करेंगे? लाभ-हानि वितरण खाता बनाकर दिखाइये।

(7) एक फर्म में X, Y और Z साझेदार है, जो लाभ-हानि 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। Y को 42,000 रू. वार्षिक वेतन तथा Z को कुल बिक्री जो 12,00,000 रू. है, उस पर 3 प्रतिशत कमीशन दिया जाता है। फर्म ने वर्ष 2019 में कुल बिक्री पर 10 प्रतिशत लाभ अर्जित किया। फर्म का लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

(8) X, Y और Z साझेदार है वे लाभ-हानि 2:2:1 के अनुपात में बांटते हैं। अन्य साझेदारों ने Z को आश्वासन दिया कि उसे कम से कम 14,400 रू. लाभ अवश्य ही मिलेगा। चालू वर्ष का शुद्ध लाभ 68,400 रू. है। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

(9) A,B औरC एक फर्म मे 5:3:2 में लाभ विभाजित करते हुए साझेदार है। A ने B को व्यक्तिगत रूप से गारंटी दी है कि उसका लाभ पूँजी पर 10% वार्षिक ब्याज लगाने के पश्चात् 22500 रू. वार्षिक से कम नहीं होगा। साझेदारों की पूँजी क्रमशः 120000 रू., 75000 रू, एवं 60000 रू. थी। वर्ष में 119250 रू. लाभ पूँजी पर ब्याज काटने के पूर्व था। लाभ हानि नियोजन खाता बनाइए।

(10) अ और ब एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी 2017 को उनकी पूँजी क्रमशः 25000 रू. और 20000 रू. थी। उन्हें पूँजी पर 8% वार्षिक दर से ब्याज दिया जाता है और उनके आहरणों पर 12% वार्षिक ब्याज लगाया जाता है। अ ने 1 जुलाई 2017 को 10000 रू. 6% वार्षिक दर पर फर्म को ऋण दिया। ब को 5000 रू. वेतन पाने का अधिकारी है उनके आहरण पर ब्याज 600 रू. एवं 500 रू. लगाया गया। 31 दिसम्बर 2017 को समाप्त वर्ष का लाभ समायोजन के पूर्व 25000 रू. था। लाभ हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए।

(11) अ और ब क्रमशः 50000 रू. एवं 30000 रू. पूँजी के साथ लाभों को 3:2 अनुपात में बाँटते हुए साझेदार है। पूँजी पर ब्याज 6% वार्षिक दर से देय है। ब को 2500 रू. वार्षिक वेतन प्राप्त होनी है। वर्ष 2015 में पूँजी पर ब्याज की गणना के पूर्व किन्तु ब के वेतन लगाने के बाद लाभ 12500 रू. है। प्रबंधक को वेतन एवं पूँजी पर ब्याज काटने के बाद किन्तु उसके कमीशन प्रभारित करने के पूर्व शेष लाभ पर 5% कमीशन दिया जाता है, लाभ के विभाजन को दर्शाते हुए लाभ हानि नियोजन खाता तैयार करें।

* * * * *

भाग-1 अध्याय-3

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन - साझेदार का प्रवेश

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	1	-	1	10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) साझेदारी का पुनर्गठन है -

(a) साझेदारों द्वारा अतिरिक्त पूंजी लगाना

(b) साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन

(c) साझेदारों की पूंजी पर ब्याज देना

(d) ख्याति के मूल्य से ख्याति खाता खोलना

(2) साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन पर संचितियों का विभाजन होता है -

(a) पूर्व अनुपात में (b) समान अनुपात में

(c) नये अनुपात में (d) पूंजी के अनुपात में

(3) ख्याति का मूल्यांकन आवश्यक होता है -

(a) सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के समय

(b) अतिरिक्त पूंजी लगाने के समय

(c) साझेदारों के लाभानुपात के परिवर्तन के समय

(d) सम्पत्ति और दायित्व के पुनर्मूल्यांकन के समय

(4) साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि का परिणाम

(a) वर्तमान साझेदारों को लाभ (b) वर्तमान साझेदारों को हानि

(c) वर्तमान साझेदार को न लाभ न हानि (d) इनमें से कोई नहीं

(5) साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर अलिखित सम्पत्ति का लेखा करने पर होगा-

(a) वर्तमान साझेदार को लाभ (b) वर्तमान साझेदार को हानि

(c) वर्तमान साझेदार को न लाभ न हानि (d) इनमें से कोई नहीं

(6) साझेदारी फर्म के पुनर्गठन पर अलिखित दायित्व का लेखा करने पर होगा -

(a) वर्तमान साझेदार को लाभ (b) वर्तमान साझेदार को हानि

(c) वर्तमान साझेदार को न लाभ न हानि (d) इनमें से कोई नहीं

(7) पुनर्मूल्यांकन खाता या लाभ-हानि समायोजन खाता है -

(a) व्यक्तिगत खाता (b) वास्तविक खाता (c) नाममात्र खाता (d)इनमें से कोई नहीं

(8) पुनर्मूल्यांकन खाते का शेष पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में हस्तान्तरित किया जाता है -

(a) पुराने लाभ-हानि अनुपात में (b) नये लाभ-हानि अनुपात में

(c) समान अनुपात में (d) इनमें से केाई नहीं

(9) X और Y 2:3 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। भविष्य में उन्होंने समान अनुपात में लाभ बांटना तय किया है। कौन साझेदार किस अनुपात में त्याग करेगा।

(a) X द्वारा त्याग 1/10 (b) Y द्वारा त्याग 1/5

(c) Y द्वारा त्याग 1/10 (d) इनमें से कोई नहीं

(10) ख्याति है -

(a) चालू सम्पत्ति (b) अमूर्त सम्पत्ति

(c) मूर्त सम्पत्ति (d) इनमें से केाई नहीं

(11) पिछले चार वर्षों के लाभ Rs. 8,000, RS. 12,000, Rs.10,000, Rs. 10,000 है 2 वर्षों के औसत लाभ के आधार पर ख्याति का मूल्य होगा -

(a) Rs. 12,000 (b) Rs. 18,000

(c) Rs. 20,000 (d) इनमें से कोई नहीं

(12) अधिलाभ है -

(a) औसत लाभ - सामान्य लाभ (b) कुल लाभ / वर्षों की संख्या

(c) भारित लाभ / भारों की संख्या (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(13) ख्याति का सूत्र है -

(a) औसत लाभx क्रय वर्षों की संख्या

(b) भारित औसत लाभx क्रय वर्षों की संख्या

(c) अधिलाभx क्रय वर्षों की संख्या

(d) ये सभी

(14) लाभ अनुपात =

(a) नया अनुपात - त्याग अनुपात (b) पुराना अनुपात - त्याग अनुपात

(c) नया अनुपात - पुराना अनुपात (d) पुराना अनुपात - नया अनुपात

(15) ख्याति की गणना की भारित औसत विधि का उपयोग तब किया जाता है जब-

(a) लाभ बराबर नहीं हैं (b) लाभ बराबर हैं

(c) लाभ में उतार-चढ़ाव होते हैं (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(16) त्याग अनुपात =

(a) नया अनुपात - पुराना अनुपात (b) पुराना अनुपात - नया अनुपात

(c) पुराना अनुपात - लाभ अनुपात (d) लाभ अनुपात - पुराना अनुपात

(17) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद में लाता है तो उस राशि को डेबिट करेंगे-

(a) प्रीमियम खाते में (b) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में

(c) रोकड़ खाते में (d) नए साझेदार के पूँजी खाते में

(18) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद नहीं लाता है तो उस राशि को डेबिट करेंगे-

(a) प्रीमियम खाते में (b) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में

(c) रोकड़ खाते में (d) नए साझेदार के पूँजी खाते में

(19) एक नया साझेदार फर्म में शामिल किया जा सकता है-

(a) पुराने साझेदारों की सहमति से (b) किसी एक साझेदार की सहमति से

(c) पुराने साझेदारों की सहमति के बिना (d) पुराने साझेदारों के बहुमत से

(20) त्याग का अनुपात ज्ञात करना पड़ता है-

(a) साझेदार के प्रवेश पर (b) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर

(c) साझेदार की मृत्यु पर (d) साझेदार के विघटन पर

(21) पुनर्मूल्यांकन के लाभ को पुराने साझेदारों में विभाजित करेंगे-

(a) पुराने अनुपात में (b) नए अनुपात में

(c) त्याग के अनुपात में (d) लाभ के अनुपात में

(22) नए साझेदार के द्वारा ख्याति की राशि दी जाती है-

(a) पूँजी के भुगतान के लिए (b) लाभ में हिस्सा पाने के लिए

(c) सम्पत्तियाँ क्रय करने के लिए (d) पुनर्मूल्यांकन के लिए

(23) नए साझेदार के प्रवेश के समय, पुराने आर्थिक चिट्ठा में प्रदर्शित सामान्य संचय को हस्तांतरित किया जाता है-

(a) सभी साझेदारों के पूँजी खातों में

(b) नये साझेदार के पूँजी खाते में

(c) पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(24) अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं। द नये साझेदार के रूप में प्रवेश करता है तो-

(a) पुरानी फर्म का विघटन होगा

(b) पुरानी फर्म तथा पुरानी साझेदारी का विघटन होगा

(c) पुरानी साझेदारी पुनर्गठित होगी

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(25) नए साझेदार के प्रवेश के समय सम्पत्तियों के मूल्य में कमी को डेबिट किया जाता है-

(a) लाभ-हानि समायोजन/पुनर्मूल्यांकन खाता

(b) सम्पत्ति खाता में

(c) पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(26) सम्पत्तियों तथा दायित्वों के मूल्यों में परिवर्तन के लिए हम खोलते हैं-

(a) लाभ-हानि नियोजन खाता (b) पुनर्मूल्यांकन खाता

(c) लाभ-हानि खाता (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(27) दायित्वों में कमी है-

(a) लाभ (b) हानि

(c) प्राप्ति (d) व्यय

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) ख्याति वह सम्पत्ति है जो लाभ कमाने में ..... होती है।

(2) ख्याति का वास्तविक मूल्य ..... के विक्रय पर ज्ञात हो सकता हैं।

(3) ख्याति को पुस्तकों में तभी दिखाना चाहिए जब उसके बदले ..... का भुगतान किया गया हो।

(4) औसत लाभ की गणना में पूर्व वर्ष की हानियों को ..... है।

(5) एकाधिकार ख्याति में ..... करता है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 30 शब्द) -

(1) ख्याति की परिभाषा लिखिए।

(2) प्रछन्न ख्याति से क्या आशय है ?

(3) साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या आशय है ?

(4) पुनर्मूल्यांन खाता से क्या आशय है ?

(5) नफा अनुपात से क्या आशय है ?

(6) त्याग अनुपात से क्या आशय है ?

(7) लाभालाभ अनुपात में परिवर्तन से क्या आशय है ?

(8) साझेदार प्रवेश से क्या आशय है ?

(9) अधिलाभ से क्या आशय है ?

(10) सामान्य लाभ किसे कहते है।

(11) L और M एक फर्म में साझेदार हैं जो 3:2 के अनुपात में लाभ का विभाजन करते हैं। N को फर्म प्रवेश दिया जाता है, नया साझेदार अपना 1/5 हिस्सा पूर्णतः L से प्राप्त करता है। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात कीजिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 75 शब्द) -

(1) त्याग अनुपात और लाभ अनुपात में अन्तर बताइए।

(2) एक फर्म का औसत लाभ 48,000 रू. है और पूंजीकरण की दर 12% है। फर्म की विविध सम्पत्तियां और दायित्व क्रमशः 3,50,000 रू. व 1,00,000 रू. है। ख्याति की गणना कीजिए।

(3) ख्याति की उत्पत्ति के कारण बताइए।

(4) निम्न सूचनाओं के आधार पर एक फर्म की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ के तीन वर्षों के क्रय पर कीजिए -

व्यापार में पूंजी का विनियोग - Rs. 4,00,000

प्रत्याय की सामान्य दर - 15%

औसत लाभ - Rs. 90,000

चालू वर्ष से दुकान का किराया 500 रू. प्रतिमाह बढ़ा दिया गया है।

(5) औसत लाभ एवं अधिलाभ में अंतर बताइए।

(6) लेखांकन प्रमाप-10 के अनुसार ख्याति का उपचार स्पष्ट कीजिए।

(7) फर्म में किन परिस्थितियों में ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है?

(8) एक फर्म की पूंजी 4,50,000 रू. है, जिस पर 12% लाभ होता है, फर्म का औसत लाभ 60,000 रू. है। अधिलाभ की पूंजीकरण विधि से ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

(9) 1 जनवरी 2019 को ख्याति का मूल्यांकन विगत चार वर्षों के औसत लाभ के 2.5 वर्षीय क्रय के आधार पर कीजिए। विगत वर्षों के लाभ-हानि निम्नानुसार हैं -

वर्ष Year	लाभ-हानि (Profit and loss)
2015	30,000 (loss)
2016	20,000 (profit)
2017	28,000 (profit)
2018	32,000 (profit)
2019	40,000 (profit)

(10) नये साझेदार को कौन से प्रमुख अधिकार प्राप्त होते हैं?

(11) फर्म के पुनर्गठन की विभिन्न दशाएं समझाइए।

(12) A और B समान साझेदार हैं। C को 1/4 हिस्सा देकर फर्म में नया साझेदार बनाया गया। C द्वारा ख्याति का धन न लाने पर फर्म ने 16000 रू. से ख्याति का मूल्यांकन किया गया। ख्याति के उपचार हेतु जर्नल के लेखे करिए।

(13) A और B लाभ को 5:4 के अनुपात में बाँटते हुए साझेदार हैं। C को 1/5 भाग के लिए साझेदार बनाया जाता है। A और B भविष्य के लाभ को समान अनुपात में बाँटेगें। लाभ अनुपात क्या होगा?

(14) एक साझेदारी फर्म में नये साझेदार की आवश्यकता किस लिए पड़ती है?

(15) अमर एवं बसंत एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। उनका चिट्ठा 31 दिसम्बर, 2018 को निम्न प्रकार था-

Liabilities	Amt.	Assets	Amt.
लेनदार (Creditors)	30000	भवन (Building)	20000
देय बिल (Bills Payable)	6820	मशीनरी (Machinery)	9000
पूँजी खाते (Capital A/C)		फर्नीचर (Furniture)	1800

अमर (Amar) Rs. 50000		स्टॉक (Stock)	25000
बसंत (Basant) Rs. 18000	68000	देनदार (debtors) 45000	
		less: आयोजन	
		Provision 8000	37000
		विनियोग (Investment)	8500
		रोकड़ (Cash)	3520
	104820		**104820**

उन्होंने सारंग को 1 जनवरी, 2019 को निम्न शर्तों पर नया साझेदार बनाया-

1) सारंग को लाभ का 2/7 भाग प्राप्त होगा।
2) पूँजी के 12000 रू. तथा ख्याति प्रीमियम के 9600 रू. लाएगा। दोनों राशियाँ फर्म में रहेंगी।
3) भवन का मूल्य 30000 रू. मशीनरी का मूल्य 8000 रू. तथा स्टॉक का मूल्य 22500 रू. रखा जाएगा।
4) चिट्ठे के दिन विनियोग का बाजार मूल्य 6400 रू. था। ये विनियोग अमर ने ले लिए।
5) डूबत ऋण आयोजन 2000 रू. से कम कर दिया जायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार कीजिए।

* * * *

भाग -1 अध्याय – 4 एवं 5

साझेदार की निवृत्ति या मृत्यु, साझेदारी फर्म का विघटन

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	2	1	-	10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को ख्याति दी जाती है -

(a) पुराने लाभ-हानि अनुपात में (b) पूँजी के अनुपात में

(c) बराबर-बराबर (d) इनमें से कोई नहीं

(2) पुनर्मूल्यांकन खाता में नाम पक्ष पर जमा पक्ष का आधिक्य है-

(a) लाभ (b) हानि

(c) प्राप्ति (d) व्यय

(3) अलिखित दायित्व को नए आर्थिक चिट्ठे में पृथक रूप से दिखाया जाता है -

(a) दायित्व पक्ष में (b) सम्पत्ति पक्ष में

(c) दोनों पक्ष में (d) इनमें से कोई नहीं

(4) X, Y और Z 5:4:1 के अनुपात में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। X ने अवकाश ग्रहण कर लिया। नया लाभ विभाजन अनुपात होगा -

(a) 4:1 (b) 1:4

(c) 5:1 (d) 3:1

(5) किसी साझेदार की मृत्यु होने पर मृतक साझेदार के पूंजी खाता को जमा किया जाएगा-

(a) उसकी / उसके ख्याति के हिस्से से (b) फर्म की ख्याति से

(c) शेष साझेदारों के ख्याति के हिस्से से (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(6) मृतक साझेदार के निष्पादक को साझेदार की मृत्यु तिथि से देय राशि पर ब्याज दिया जायेगा -

(a) 5% वार्षिक (b) 6% वार्षिक

(c) 7% वार्षिक (d) 4% वार्षिक

(7) मृतक साझेदार को देय राशि चुकायी जाती है उसके -

(a) पिता को (b) दोस्त

(c) पत्नी को (d) उत्तराधिकारियों को

(8) फर्म के समापन पर होने वाले व्यय को कहते है -

(a) वसूली व्यय (b) कानूनी व्यय

(c) हानिगत व्यय (d) इनमें से कोई नहीं

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) अवकाश ग्रहण के समय पुनर्मूल्यांकन से होने वाली हानि सभी साझेदारों के पूंजी खाते के ..... में लिखी जाती है।

(2) नफे के अनुपात से शेष साझेदारों के अनुपात में ..... होती है।

(3) जीवन बीमा संचय कोष को ..... के पूंजी खाते में हस्तांतरित करेंगे।

(4) यदि साझेदारी व्यापार हानि के ..... नहीं चलाया जा सकता, तो न्यायालय फर्म के विघटन का आदेश दे सकता है।

(5) फर्म के विघटन के पश्चात् साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं।

(6) सभी साझेदारों का दिवालिया होना फर्म का ..... समापन है।

(7) फर्म के समापन पर ..... का समापन भी हो जाता है।

निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए -

(1) फर्म के विघटन और साझेदारी के विघटन में कोई अंतर नहीं है।

(2) साझेदारी फर्म के विघटन पर लाभ-हानि खाते का शेष साझेदारों के पूंजी खातों में अन्तरित किया जाता है।

(3) समय समाप्त हो जाने पर फर्म का संयोग द्वारा समापन हो जाता है।

(4) निवृत साझेदार को वार्षिकी द्वारा भुगतान किया जा सकता है।

(5) फर्म की ख्याति में निवृत्त साझेदार अपना हिस्सा प्राप्त करता है।

सही जोड़ी मिलाओ –

	स्तंभ अ	**स्तंभ ब**
1.	फर्म से अवकाश लेना	(a) मृत साझेदार का उत्तराधिकारी
2.	साझेदार की मृत्यु	(b) निवर्तन
3.	साझेदार का व्यक्तिगत दायित्व	(c) तृतीय पक्ष
4.	विघटन के पश्चात प्रथम भुगतान	(d) निजी संपत्ति

अति लघुउत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा - 30 शब्द) -

(1) साझेदारों की फर्म से निवृत्ति से क्या आशय है ?

(2) साझेदार के निष्कासन से क्या आशय है ?

(3) संयुक्त जीवन बीमा पालिसी से क्या आशय है ?

(4) सामान्य संचय से क्या आशय है ?

(5) वार्षिकी से क्या आशय है ?

(6) मृत साझेदार के प्रतिनिधि से क्या आशय है ?

(7) साझेदारी फर्म के विघटन से क्या आशय है ?

(8) फर्म के आकस्मिक समापन से क्या आशय है ?

(9) फर्म के समापन पर हिसाब के निपटारा से क्या आशय है ?

(10) साझेदारी के विघटन से क्या आशय है।

(11) किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 75 शब्द) -

(1) अलका, हरप्रीत तथा श्रेया लाभ को 3:2:1 में बाँटते हुए साझेदार हैं। अलका सेवा निवृत होती है जिसका हिस्सा अन्य साझेदारों ने 3:2 में ले लिया नया अनुपात ज्ञात कीजिए।

(2) अशोक, अनिल तथा अजय 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं अनिल की मृत्यु हो जाती है। अशोक एवं अजय का नया अनुपात 3:2 हो जाता है। प्राप्ति अनुपात ज्ञात कीजिए।

(3) अमर, अकबर, एन्थोनी 3:2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। एन्थोनी फर्म से अवकाश ग्रहण कर लेता हैं। फर्म की पुस्तकों में 27000 रू ख्याति पहले से हैं। अवकाश ग्रहण करने की तिथि पर फर्म की ख्याति का मूल्य 72000 रू. मूल्यांकित किया गया। ख्याति के समायोजन की प्रविष्टियाँ कीजिए यदि नया अनुपात 3:2 हो।

(4) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की वैधानिक स्थति स्पष्ट कीजिए।

(5) दिनेश, महेश और नरेश 7:5:2 के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। दिनेश व्यापार से निवृत होता है। फर्म की कुल ख्याति 28,000 रू. आंकी गई है। आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।

(6) रवि, सोम और मंगल 2:3:5 के अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं। उनका चिट्ठा 31 दिसम्बर 2018 को निम्नांकित है –

चिट्ठा Balance Sheet

दायित्व (Liabilities)	रकम (Amount)	सम्पत्तियां (Assets)	रकम (Amount)
सामान्य संचय (General Reserve)	18,000	भवन (Building)	40,000
लेनदार (Creditors)	12,000	फर्नीचर (Furniture)	20,000
पूंजी (Capital)		देनदार (Debtors)	15,000
रवि Ravi 20,000		रोकड़ (Cash)	9,000
सोम Som 18,000			
मंगल Mangal 16,000	54,000		
	84,000		**84,000**

1 जनवरी, 2019 को मंगल अवकाश ग्रहण करता है। निम्नांकित को ध्यान में रखकर लाभ-हानि समायोजन खाता बनाइए- (1) भवन व फर्नीचर में 5% वृद्धि, (2) देनदारों पर पर 10% अशोध्य ऋण संचय, (3) लेनदारों पर 5% कटौती, (4) वैधानिक व्यय हेतु प्रावधान 200 रू.।

(7) फर्म से निवृत्त होने वाले साझेदार को दी जाने वाली राशि की गणना किस प्रकार की जाती है? समझाइये।

(8) एक निवृत्त साझेदार को भुगतान के तरीके बताईये।

* * * * *

भाग-2 अध्याय – 1 एवं 2

कम्पनी लेखे - अंशपूँजी के लिए लेखांकन एवं ऋणपत्र का निर्गम

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश,भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 20 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
7	3	1	1	20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) सार्वजनिक कम्पनी द्वारा अंशों के विक्रय हेतु जारी किया जाने वाला प्रलेख है -

(a) पार्षद सीमा नियम (b) पार्षद अन्तर्नियम

(c) सारणी 'F' (d) प्रविवरण

(2) पूंजी का भाग जो केवल कम्पनी के समापन के समय मांगा जाता है, कहलाता है -

(a) अधिकृत पूंजी (b) निर्गमित पूंजी

(c) प्रार्थिक पूंजी (d) संचित पूंजी

(3) अवशिष्ट याचना पर सारणी 'F' के अनुसार ब्याज की दर होती है-

(a) 6% वार्षिक (b) 10% वार्षिक

(c) 8% वार्षिक (d) 5% वार्षिक

(4) प्रतिभूति प्रीमियम है -

(a) पूंजीगत लाभ (b) आगमगत लाभ

(c) पूंजीगत हानि (d) आगमगत हानि

(5) एक कम्पनी ने 10 रू. वाले 20,000 अंश निर्गमित किये। जनता से 25,000 अंशों आवेदन पत्र प्राप्त हुए, यह कहलाएगा -

(a) याचना (b) अति अभिदान

(c) अल्प अभिदान (d) अवशिष्ट याचना

(6) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार एक कम्पनी निर्गत कर सकती है -

(a) सिर्फ समता अंश (b) सिर्फ पूर्वाधिकार अंश

(c) समता और पूर्वाधिकार अंश (d) इनमें से कोई नहीं

(7) अंश आवेदन खाता है -

(a) व्यक्तिगत खाता (b) अव्यक्तिगत खाता

(c) वास्तविक खाता (d) नाममात्र खाता

(8) संयुक्त पूंजी कम्पनी है -

(a) वैधानिक कृत्रिम व्यक्ति (b) प्राकृतिक व्यक्ति

(c) सामान्य व्यक्ति (d) इनमें से कोई नहीं

(9) समता अंशधारी होते हैं -

(a) कम्पनी के ग्राहक (b) कम्पनी के स्वामी

(c) कम्पनी के लेनदान (d) इनमें से कोई नहीं

(10) अंशधारी प्राप्त करते हैं -

(a) ब्याज (b) लाभांश

(c) कमीशन (d) इनमें से कोई नहीं

(11) निजी कंपनी के अधिकतम सदस्यों की संख्या कितनी हो सकती है-

(a) 20 (b) 200

(c) 40 (d) 7

(12) दायित्व के कुल राशि में सम्मिलित होते हैं-

(a) प्रार्थित पूंजी (b) निर्गमित पूंजी

(c) अधिकृत पूंजी (d) चुकता पूंजी

(13) ऋणपत्रधारी कंपनी के होते है-

(a) देनदार (b) लेनदार

(c) प्रन्यासी (d) स्वामी

(14) ऋणपत्रों पर ब्याज के भुगतान की अवधि है-

(a) 3 माह (b) 6 माह

(c) 9 माह (d) 12 माह

(15) ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती की राशि है-

(a) पूंजीगत हानि (b) आगमगत हानि

(c) पूंतिगत व्यय (d) आगमगत व्यय

(16) ऋण पत्रों के प्रतिफल स्वरुप ऋणपत्रधारी को प्राप्त होता है-

(a) लाभ (b) कमीशन

(c) ब्याज (d) दलाली

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(1) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक .....है।

(2) प्रतिभूति प्रीमियम संचय का शेष कम्पनी के चिट्ठे में ..... की ओर दर्शाया जाता है।

(3) अंश जिन पर एक निश्चित प्रतिशत दर पर लाभांश भुगतान किया जाता है..... कहलाते हैं।

(4) अंशों के निर्गमन पर प्रापूत प्रीमियम कम्पनी का ..... लाभ है।

(5) तालिका 'F' के अनुसार अग्रिम याचना पर ..... वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाता है।

(6) अंश ..... प्रकार के होते है।

(7) अंश आवंटन खाता ..... खाता होता है।

(8) पार्षद सीमा नियम ..... का उल्लेख करता है।

(9) ऋणपत्र ऋण का एक ..... प्रमाण है।

(10) ऋणपत्र धारी कंपनी के ..... में हस्तक्षेप नहीं करते हैं।

(11) अशोध्य ऋणपत्र वे होते हैं जिनका ..... कंपनी के समापन की दशा में किया जाता है।

सत्य /असत्य बताईये -

(1) एक निजी कम्पनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।

(2) समता अंशों पर लाभांश की दर निश्चित होती है।

(3) दो याचनाओं के मध्य न्यूनतम दो माह का समय होना चाहिए।

(4) अंशो की सम्पूर्ण राशि एक साथ प्राप्त की जा सकती है।

(5) अग्रिम याचना प्राप्त होने पर बैंक खाता डेबिट और अग्रिम याचना खाता क्रेडिट किया जाता है।

(6) अग्रिम मांग अंश पूंजी का भाग है।

(7) अंशधारी अग्रिम मांग पर लाभांश प्राप्त करने के अधिकारी हैं।

(8) संयुक्त पूंजी कंपनी का पंजीयन अनिवार्य है।

(9) बंधक ऋणपत्र सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते हैं।

(10) ऋणपत्रों पर केवल लाभ होने की स्थिति में ही ब्याज दिया जाता है।

(11) ऋणपत्रधारी कंपनी के सदस्य नहीं होते हैं।

(12) ऋणपत्रधारियों को कंपनी की सामान्य सभा में मतदान का अधिकार होता है।

सही जोड़ी मिलाओ –

	स्तंभ अ	स्तंभ ब
(1)	संचित पूंजी	(a) कम्पनी की आधारशिला
(2)	लाभांश की दर अनिश्चित	(b) रजिस्टर्ड पूंजी
(3)	पार्षद सीमा नियम	(c) आनुपातिक आवंटन
(4)	अधिकृत पूंजी	(d) स्वामी
(5)	अति अभिदान	(e) कंपनी के समापन पर
(6)	निश्चित दर से लाभांश	(f) सुपुदर्गी द्वारा हस्तांतरण
(7)	साधारण ऋण का	(g) समता अंश
(8)	समता अंशधारी	(h) पूर्वाधिकार अंश
(9)	वाहक ऋणपत्र	(i) कंपनी की इच्छा पर पुनर्भगतान

एक वाक्य में उत्तर दीजिए -

(1) अंशधारी को जो प्रमाण पत्र दिया जाता, उसे कहते हैं।

(2) कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्तियों को कहते हैं।

(3) अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर अंशो का निर्गमन कहलाता है।

(4) वे ऋणपत्र जो अंशो में बदले जा सकते है। वे कौन से ऋणपत्र कहलाते हैं।

(5) दीर्घकालीन ऋणों के लिए जारी प्रपत्र कहलाते हैं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 30 शब्द) -

(1) अंश से क्या आशय है ?

(2) कम्पनी को परिभाषित कीजिए।

(3) समता अंशो से क्या आशय है ?

(4) पूर्वाधिकार अंश किसे कहते है?

(5) पार्षद सीमा नियम क्या है ?

(6) न्यूनतम अभिदान किसे कहते है ?

(7) स्कंध किसे कहते है?

(8) अग्रिम याचना से क्या आशय है ?

(9) अंश हरण से क्या आशय है ?

(10) निजी कम्पनी को परिभाषित कीजिए।

(11) अंश समर्पण किसे कहते हैं?

(12) ऋणपत्र की परिभाषा लिखिए।

(13) ऋणपत्र धारी की वैधानिक स्थिति बताइए।

(14) ऋणपत्र क्यों निगर्मित किए जाते हैं?

(15) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति हैं। समझाइए।

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 75 शब्द) -

(1) एक सीमित कम्पनी ने 100 रू. वाले 10,000 समता अंश 5% प्रीमियम पर निर्गमित किये। राशि इस प्रकार देय थी - आवेदन पर 30 रू., आवंटन पर 35 रू. तथा प्रथम एवं अंतिम यायना पर 40 रू.। सभी राशियां यथासमय प्राप्त हुई। आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।

(2) वाय लिमिटेड ने 10 रू. वाले 20,000, 12% पूर्वाधिकार अंश जनता में निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि एक मुश्त प्राप्त हो गई। वाय लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियां कीजिए।

(3) पूर्वाधिकार अंशों की विशेषताएं बताइये।

(4) अंशों के निर्गमन की विधि (प्रक्रिया) समझाइये।

(5) ग्वालियर की जियाजी लिमिटेड ने 7,50,000 रू. में एक भवन अश्विन ट्रेडर्स से खरीदा। उन्होंने 2,50,000 रू. नकद दिए तथा शेष राशि के लिए 100 रू. वाले 5,000 समता अंश पूर्णदत्त निर्गमित किए। कम्पनी की बही में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

(6) कम्पनी की पूंजी संरचना पर एक टिप्पणी लिखिये।

(7) पूर्वाधिकार अंशो के 3 प्रकारों को समझाइये।

(8) अवशिष्ट याचना और अग्रिम याचना में अंतर बताइए।

(9) अति-अभिदान को उदाहरण सहित समझाइए।

(10) अंशों के निर्गमन की विधि (प्रक्रिया) समझाइये।

(11) कंपनी से क्या आशय है? इसकी विशेषताएं बताईये ।

(12) समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अंतर बताईये ।

(13) पार्षद सीमा नियम एवं पार्षद अंतर्नियम में अंतर बताईये ।

(14) अंश एवं स्कन्ध में अंतर बताईये ।

(15) अधिकृत पूंजी एवं चुकता पूंजी में अंतर बताईये।

(16) अंश हरण एवं अंश समर्पण में अंतर लिखिए।

(17) ऋणपत्रों से आप क्या समझते हो ? ऋणपत्रों की विशेषता बताईये।

(18) अंशधारी एवं ऋणपत्रधारी में अंतर बताईये।

(19) ऋणपत्रो के निर्गमन के उद्देश्य एवं लाभ बताईये।

(20) ऋणपत्रो के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये।

(21) एक कंपनी ने 10 रुपए वाले 15000 अंश जनता में निर्गमित किये। सारी राशि एक मुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्ठियॉ कीजिए।

विश्लेष्णात्मक प्रश्न (शब्द सीमा - 120 शब्द) -

(1) राज लिमिटेड ने 20 रुपए वाले 50000 अंशों को निर्गमन किया। आवेदन पर 5 रुपए आवंटन पर 10 रुपए एवं अंतिम याचना पर 5 रुपये देय थे। संपूर्ण राशि समय पर प्राप्त हो गई। आवश्यक जर्नल प्रविष्ठियां कीजिये।

(2) एक्स लिमिटेड ने एक अंशधारी के 10 रूपये वाले पूर्ण याचित 30 अंशों को जप्त कर लिया । अंशधारी ने आवेदन पत्र के 3 रूपये प्रति अंश तो दे दिये थे लेकिन आवंटन के 4 रूपये एवं अंतिम याचना के 3 रूपये प्रति अंश न दे सका । अंशों के हरण की पंजी प्रविष्टियॉ कीजिए ।

(3) एक लिमिटेड कम्पनी ने 10 रूपये वाले 20000 अंश जनता में निर्गमित किये राशि इस प्रकार देय थी . आवेदन पर 2 रूपये प्रति अंश आवंटन पर 4 रूपये प्रति अंश तथा याचना पर 4 रूपये प्रति अंश कुल 22000 अंशों के लिये आवेदन प्राप्त हुये । आनुपातिक आवंटन किया गया। आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का प्रयोग बंटन में किया गया । सभी राशियॉ यथा समय प्राप्त हो गईं जनरल प्रविष्टियाँ कीजिए ।

(4) ग लिमिटेड ने 100 रुपए वाले 15000 अंश 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किए जो कि इस प्रकार देय है - आवेदन 30 रुपए, आवंटन 50 रुपए प्रीमियम सहित याचना पर 30 रुपए कंपनी ने 15000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। सभी अंशो का आंवटन कर दिया गया। एक अंशधारी जिसके पास 400 अंश थे आवंटन व याचना राशि नहीं चुकाई। पंजी प्रविष्टियॉ कीजिए।

(5) अनिता लि. ने 10 रुपए वाले 20000 समता अंश निर्गमित किये। आवेदन पर 2 रुपए आवंटन पर 3 रुपए तथा याचना पर 5 रुपए देय थे। एक व्यक्ति जिसके पास 1000 अंश थे उसने याचना राशि नहीं चुकाई। अत: उसके अंश जब्त कर लिये गये। जब्त अंशो को 8 रुपये प्रति अंश से पुन: निगर्मन कर दिये। जब्ती एवं पुन: निर्गमन से संबंधित आवश्यक जर्नल प्रविष्टियॉ कीजिये।

(6) मीरा लिमिटेड ने 100 रुपए वाले 2000,12 प्रतिशत ऋणपत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये। सारी राशि आवेदन पर प्राप्त हो गई। जर्नल के लेखे कीजिये।

(7) समता लिमिटेड़ ने 100 रुपए 4000, 9 प्रतिशत ऋणपत्र निर्गमित किये। आवेदन पर 10 रुपए आवंटन पर 30 रुपए तथा याचना पर 60 रुपए प्रति ऋणपत्र की दर से राशि मंगवाई गई। सभी राशियां यथासमय प्राप्त हो गई। कंपनी की पुस्तकों में जर्नल के लेखे कीजिये।

* * * * *

भाग-2 अध्याय – 3 एवं 4
कंपनी के वित्तिय विवरण , वित्तिय विवरणों का विश्लेषण

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 12 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
7	1	1	-	12

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(1) कंपनी के चिट्ठे में चालू दायित्व व प्रावधान शीर्षक में दिखाया जावेगा -

(a) विविध देनदार (b) अंश प्रीमियम

(c) विविध लेनदार (d) ऋणपत्रों पर बट्टा

(2) अर्मूत संपति है-

(a) फर्नीचर (b) ख्याति

(c) भवन (d) मशीनरी

(3) मूर्त संपत्ति है -

(a) ख्याति (b) ब्राण्ड

(c) साफ्टवेयर (d) भूमि

(4) स्थायी सम्पत्ति है -

(a) रोकड़ (b) देनदार

(c) बैंक में रोकड़ (d) भूमि भवन

(5) वित्तीय विवरणों के निर्वचन में शामिल होता है-

(a) आलोचना तथ विश्लेषण (b) तुलना एवं प्रवृत्ति अध्ययन

(c) निष्कर्ष निकालना (d) उपरोक्त सभी

(6) वित्तिय विवरणों की तुलना व्यवसाय की कौन सी प्रवृत्ति को इंगित करती है-

(a) लाभदायकता (b) वित्तिय स्थिति

(c) निष्पादन क्षमता (d) उपरोक्त सभी

(7) किसमें वृद्धि होने से शुद्ध लाभ में वृद्धि होगी-

(a) संचालन व्यय (b) गैर संचालन व्यय

(c) संचालन आय (d) गैर संचालन आय

(8) किसमें परिवर्तन होने से उत्पादन लागत अपरिवर्तित रहेगी-

(a) मजदूरी (b) अवाक गाड़ी भाड़ा

(c) ईंधन (d) बिक्री व्यय

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

(1) तुलनात्मक विवरणों को ---------- भी कहते हैं।

(2) समरूप विवरणों को ------- भी कहते हैं।

(3) किसी वित्तीय वर्ष के मध्य दिए गए लाभांश को ---------- कहा जाता है।

(4) चालू वर्ष का प्रस्तावित लाभांश ------ दायित्वों में शामिल किया जाता है।

(5) वित्तीय विवरण में ---------- सूचनाएँ होती हैं ।

(6) चिट्ठे में स्थायी संपत्तियों को -------- घटाकर दिखाया जाता है।

(7) वित्तीय विवरण लेखांकन प्रकिया के -------- उत्पाद है।

(8) कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट को --------- के लिए निर्गमित किया जाता है।

सही जोड़ी बनाईये-

(1)	सामान्य संचय	-	(a) स्थायी संपत्ति
(2)	व्यापारिक देयताएं	-	(b) शीर्ष विश्लेषण
(3)	वाहन	-	(c) संचय एवं आधिक्य
(4)	कई वर्षों का वित्तीय विश्लेषण	-	(d) विविध लेनदार
(5)	एक अवधि का विश्लेषण	-	(e) वित्तीय विवरणों की सीमा
(6)	गुणात्मक विश्लेषणों का अभाव	-	(f) सम स्तर विश्लेषण

सत्य/असत्य बताईये -

(1) ऐसी संपत्तियां जो वर्ष के दौरान नकद राशि में परिवर्तित की जा सकती है। चालू संपत्तियां कहलाती है।

(2) मांग की वह राशि जो अंशधारियों से मांगने के बाद भी बाकी हो, अदत्त मांग कही जाती है।

(3) चालू दायित्व का निपटारा 12 माह अंदर किया जाता है।

(4) पूँजी को चिटठे में दर्शाया जाता है।

(5) अंशधारी कंपनी के वास्तविक स्वामी होते हैं।

(6) सकल लाभ की राशि में वृद्धि लाभदायकता में वृद्धि को इंगित करती है।

(7) वित्तीय विवरणो की तुलना भविष्य में व्यवसाय के विकास की प्रवृत्ति को इंगीत करता है।

(8) बिक्री में बिना वृद्धि हुए उत्पादन लागत में वृद्धि होने से लाभ की मात्रा बढ़ती है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिये-

(1) चिट्ठा कब बनाया जाता है?

(2) वित्तीय विवरणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन क्या कहलाता है?

(3) कौन से काल की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति चालू स्त्रोतो से नहीं की जानी चाहिए?

(4) अधिक मजदूरी के भुगतान का उत्पादन लागत पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(5) कौन से विवरण विश्लेषण को अवयव प्रतिशत विश्लेषण के रुप में भी जानते है?

(6) किस बिंदु पर कुल लागत कुल बिक्री के बराबर मानी जाती है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा-30 शब्द) -

(1) चिट्ठा से क्या आशय है ?

(2) लाभ-हानि विवरण से क्या आशय है?

(3) दीर्घकालीन ऋण से क्या आशय है ?

(4) कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची 3 भाग-1 के अनुसार समता एवं दायित्व भाग के मुख्य शीर्षकों को दर्शाइए।

(5) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण से क्या आशय है ?

(6) आंतरिक विश्लेषण से क्या आशय है ?

(7) बाह्य विश्लेषण से क्या आशय है?

(8) क्षैतिज विश्लेषण से क्या आशय है?

(9) लम्बवत् विश्लेषण से क्या आशय है?

(10) तुलनात्मक चिट्ठा से क्या आशय है?

(11) सम आकार वित्तीय विवरण से क्या आशय है?

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 75 शब्द) -

(1) वित्तिय विवरण से आप क्या समझते हो ?

(2) वित्तिय विवरणों की सीमाओं का वर्णन कीजिये ?

(3) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची 3 के भाग 1 के अनुसार कंपनी के चिटठे के दायित्व पक्ष के मुख्य शीर्षकों के नाम बताईये।

(4) वित्तिय विवरण की विशेषताऐं लिखिऐं ।

(5) वित्तिय विवरण के उद्देश्य बताईये।

(6) वित्तिय विवरण की उपयोगिता एवं महत्व बताईये।

(7) निम्न से उपयोग की गई सामग्री की लागत की गणना कीजिये- सामग्री का प्रारंभिक व्यय - 6,00,000

सामग्री का क्रय - 2,50,0000

सामग्री का अंतिम स्कन्ध - 6,00,000

(8) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची 3 के भाग 1 के अनुसार कंपनी के चिटठे के संपत्ति पक्ष के मुख्य शीर्षकों के नाम लिखिये ।

(9) चिटठे के एक भाग समता तथा दायित्व के शीर्षक चालू दायित्व के उप शीर्षक के नाम लिखिए।

(10) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची 3 के भाग 1 के अन्तर्गत चिटठे के अंशधारियों के कोष शीर्षक में क्या क्या दर्शाया जाता है।

(11) गैर चालू दायित्व शीर्षक में कौन कौन सी मदें आती हैं।

(12) चालू दायित्व शीर्षक में किन किन मदों को लेखा होता है।

(13) कंपनी अधिनियम की अनुसूची 3 के भाग 1 के अनुसार निम्नांकित मदों को समता और दायित्व भाग में किन किन मुख्य शीर्षकों और उप शीर्षकों में लिखा जाता है।
1.सुरक्षित ऋणों पर देय उपार्जित ब्याज
2.ऋण पत्र शोधन संचय
3.पूंजी शोधन संचय
4.ग्राहक से दीर्घकालीन अग्रिम

(21) निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ-हानि का विवरण बनाईये -

विवरण	2016	2017
विक्रय	400000	700000
बेचे गए माल की लागत	200000	400000
प्रत्यक्ष व्यय	40000	20000
अप्रत्यक्ष व्यय	30000	40000
आयकर	50%	50%

(22) नीचे दी गई सूचनाओं से वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2016 और 2017 के लिए समरूप आय विवरण तैयार कीजिए ।

विवरण	2016-17 रू.	2015-16 रू.
निवल विक्रय	20,00,000	27,00,000
बेचे गये माल की लागत	12,00,000	14,00,000
प्रचालन व्यय	1,00,000	1,40,000
गैर-प्रचालन व्यय	14,00,000	17,000
ह्रास	22,00,000	42,000
मजदूरी	12,00,000	22,000

(23) साइन एवं ब्राईट लिमिटेड कम्पनी के दिये गये विवरणों से 31 मार्च 2017 का तुलन-पत्र अनुसूची III के अनुसार तैयार कीजिए ।

विवरण	राशि रू.	विवरण	राशि रू.
प्रारंभिक व्यय	2,40,000	ख्याति	30,000
ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा	20,000	खुले औजार	12,000
10प्रतिशत ऋणपत्र	2,00,000	मोटर वाहन	4,75,000
बैंक में रोकड़	1,40,000	कर के लिये प्रावधान	16,000
प्राप्य विपत्र	1,35,000		
	1,20,000		

(24) निम्न विवरण के सम आकार लाभ-हानि विवरण तैयार कीजिये -

विवरण	31.12.2014	31.12.2015
संचालन से आय	400000	500000
कर्मचारी लाभ व्यय	200000	250000
अन्य व्यय	50000	250000

(25) निम्नाकिंत विवरण से सम आकार लाभ-हानि विवरण तैयार कीजिए -

विवरण	31.12.2014	31.12.2015
संचालन से आय	200000	300000
अन्य आय	40000	36000
व्यय	120000	210000
कर की दर	20000	14000

(26) निम्न सूचनाओं के आधार पर तुलनात्मक विवरण 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए बनाईये -

विवरण	2014	2015
विक्रय	240000	300000
बेचे गए माल की लागत	140000	200000
अप्रत्यक्ष व्यय	40000	40000
कर हेतु प्रावधान	10000	10000

भाग-2 अध्याय – 5 एवं 6

लेखांकन अनुपात ,रोकड़ प्रवाह विवरण

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	1	8

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सही विकल्प चुनकर सही उत्तर लिखिए -

(1) निम्नलिखित मे से कौन सी तरल संपत्ति है-

(a) देनदार (b) ख्याति

(c) रहतिया (d) प्लांट

(2) आर्दश चालू अनुपात है-

(a) 1:1 (b) 2:1

(c) 1:2 (d) 3:2

(3) संचालन अनुपात है -

(a) लाभदायकता अनुपात (b) शोधन क्षमता अनुपात

(c) क्रियाशीलता अनुपात (d) तरलात अनुपात

(4) यदि चालू अनुपात 2:5 है ओर चालू दायित्व की राशि 25,000 है तो चालू सपंत्ति की राशि क्या है -

(a) 10,000 रुपए (b) 25,000 रुपए

(c) 12,500 रुपए (d) 30,000 रुपए

(5) तरल अनुपात जाना जाता है-

(a) व्यय परीक्षण (b) अम्ल परीक्षण

(c) आय परीक्षण (d) द्रव्य परीक्षण

(6) रोकड़ बहाव विवरण तैयार करना और प्रस्तुत करना अनिवार्य है-

(a) निजी कंपनी के लिये (b) विदेशी कंपनियों के लिये

(c) सरकारी कंपनी के लिये (d) सूचिबद्ध कंपनियों के लिये

(7) रोकड़ बहाव विवरण में दर्शाया जाता है-

(a) रोकड़ का स्टॉक रोकड़ का उपयोग (b) व्यावसायिक लाभ हानि

(c) व्यवसाय की संपत्तियों (d) दायित्व कंपनियों के लिये

(8) रोकड़ के आंतरिक बहाव का आशय -

(a) चुकाई गई रोकड़ (b) प्राप्त रोकड़

(c) लेनदार (d) देनदार

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

(1) एक वर्ष में देय दायित्वों को चालू -------- कहते हैं।

(2) अनुपात एक संख्या का ------ से गणितीय संबंध होता है।

(3) चल सपंत्ति / चल दायित्व = -----

(4) रोकड़ बहाव विवरण में रोकड़ का आंतरिक एवं ------ बहाव दोनो शामिल हैं ।

(5) ऋण समता अनुपात ------ शोधनक्षमता की जांच करता है ।

(6) स्वामित्व अनुपात स्वामित्व कोष और .....के बीच सम्बन्ध प्रदर्शित करता है ।

सही जोड़ी बनाईये -

(1) आदर्श तरल अनुपात - (a) 6 से 7 गुना

(2) आदर्श ब्याज सुरक्षा अनुपात - (b) आय अर्जित करने वाली क्रियाए

(3) संचालन क्रियाए होती है - (c) 1.2:1

(4) ऋण समता अनुपात - (d) 1 : 1

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा - 30 शब्द) -

(1) लेखांकन अनुपात से क्या आशय हैं ?

(2) ऋण समता अनुपात से क्या आशय हैं ?

(3) शीघ्र सम्पत्ति किसे कहते हैं ?

(4) सकल लाभ अनुपात से क्या आशय हैं ?

(5) तरलता अनुपात को समझाइए।

(6) चालू अनुपात को समझाइए।

(7) रोकड़ प्रवाह से क्या आशय हैं ?

(8) संचालन क्रियाओं से क्या आशय हैं ?

(9) रोकड़ तुल्य से क्या आशय हैं ?

(10) वित्तीय क्रियाएँ क्या हैं ?

(11) विनियोग क्रियाएँ किन्हे कहते हैं ?

(12) गैर रोकड़ मदें किन्हें कहते हैं ?

(13) कार्यशील पूँजी से क्या आशय है ?

विश्लेष्णात्मक प्रश्न (शब्द सीमा - 120 शब्द)-

(1) लेखांकन अनुपात के उद्देश्य एवं महत्व बताईये।

(2) लेखांकन अनुपात की सीमाऐं बताईये।

(3) चल अनुपात एवं तरलता अनुपात में अंतर स्पष्ट कीजिये।

(4) अनुपातों का निवर्चन किस प्रकार किया जाता है?

(5) रोकड़ बहाव विवरण क्या है ? इसे तैयार करने के उद्देश्य बताईये ।

(6) रोकड़ के आंतरिक एवं बाहय़ बहाव के 3-3 उदाहरण दीजिये ।

(7) रोकड़ प्रवाह एवं रोकड़ बजट में अंतर लिखिए ।

(8) निम्न में चल अनुपात की गणना कीजिये -

(a) कार्यशील पूंजी 7,20,000 व्यापारिक देयता 40,000
अन्य चल दायित्व 20,000

(b) चल संपत्ति 4,00,000 स्कन्ध 2,00,000 कार्यशील पूंजी 2,25,000

(9) निम्न लिखित सूचना से द्रव्यता अनुपात का परिकलन कीजिए -

	रू.
चालू दायित्व	25, 000
चालू परिसम्पत्तियॉ	40,000
स्टॉक	10,000
अग्रिम कर	2,500
पूर्वदत्त व्यय	2,500

(10) एक कंपनी के चल दायित्व 1,00,000 रुपए के थे तथा उसका चल अनुपात 2.1:2 था। इसने 25,000 रुपए का भुगतान लेनदारों को किया। चल अनुपात ज्ञात करो

(11) X लिमिटेड़ का चल अनुपात 4.5:1 है तथा तरलता अनुपात 3:1 है। स्कंध 300000 रुपए का है। चल दायित्व कितने होंगे।

(12) एक कम्प्नी के चालू दायित्व 65,000 रू. है यदि चालू अनुपात 4:1 है तथा तरल अनुपात 1:1 है तो चालू परिसम्पत्तियों, तरल अनुपात एवं रहतिये का मूल्य परिकलित कीजिए ।

(13) निम्न लिखित सूचना से रहतियॉ आवर्त अनुपात परिकलित कीजिए -

	रू.
प्रचालन से निबंध आगम	2,00,000
सकल लाभ	50,000
अंतिम रहतियॉ	60,000
प्रारंभिक रहतियों पर अंतिम रहतियों का आधिक्य	20,000

.....

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की **ANSWER KEY**

यद्यपि ANSWER KEY तैयार करने में पूर्ण सावधानी रखी गई है फिर भी संशय की स्तिथि में अपने विषय शिक्षक से परामर्श लेकर सुधार करें ।

भाग–1 अध्याय–1
अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) (b) नामशेष (2) (c) दायित्व (3) (a) आय व्यय खाता (4) (a) केवल आगम प्रकृति के (5) (c) सार्वजनिक कंपनी (6) (b) वास्तविक खाता (7) (c) संपत्ति (8). (b) आयगत प्राप्ति (9) (a) पूंजीगत प्राप्ति (10) (c) पूंजीगत प्राप्ति (11) (a) नकद (12) (c) नाम मात्र खाता (13) (a) पूंजीगत प्राप्ति (14) (a) पूंजी निधि (15) (c) व्यय (16) (a) पूंजीगत प्राप्ति (17) (a) अधिशेष (18) (c) पूंजीगत प्राप्ति (19) (b) Rs. 10,200 (20) (a) आधिक्य / घाटा (21) (b) रोकड़ बही का (22) (c) Rs. 780

सत्य/असत्य बताइए -

(1) असत्य (2) सत्य (3) असत्य (4) सत्य (5) सत्य (6) असत्य

अध्याय 2

साझेदारी लेखे- आधारभूत अवधारणाएँ

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) (b) 6% प्रति वर्ष (2) (a) 6 माह (3) (b) लाभ-हानि समायोजन खाता (4) (c) फर्म की आय (5) (d) उपर्युक्त सभी (6) (a) स्वामी और सेवक का (7) (d) किसी भी दर से नहीं (8) (b) ऐच्छिक है (9) (c) समान अनुपात में (10) (b) साझेदारी अधिनियम 1932 (11) (c) 50 (12) (b) असीमित (13) (b) लाभ-हानि विनियोजन खाते के क्रेडिट (समा.) पक्ष में (14) (c) साझेदारों के पूंजी खाते में (15) (c) पूंजी और चालू खाते (16) (c) दोनो में से कोई भी (17) (a) प्रारंभ की पूँजी पर (18) (a) व्यक्तिगत खाता (19) (a) लाभ का विनियोजन (20) (d) साझेदारों के चालू खाते में (21) (c) मौखिक या लिखित

सही जोड़ी बनाइए -

(1) -(d) (2)-(a) (3)-(b) (4)-(c)

भाग-1 अध्याय-3

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन - साझेदार का प्रवेश

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) (b) साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन (2) (a) पूर्व अनुपात में (3) (c) साझेदारों के लाभानुपात के परिवर्तन के समय (4) (a) वर्तमान साझेदारों को लाभ (5) (a) वर्तमान साझेदार को लाभ (6) (b) वर्तमान साझेदार को हानि (7) (c) नाममात्र खाता (8) (a) पुराने लाभ-हानि अनुपात में (9) (c) Y द्वारा त्याग 1/10 (10) (b) अमूर्त सम्पत्ति (11) (c) Rs. 20,000 (12) (a) औसत लाभ - सामान्य लाभ (13) (d) ये सभी (14) (c) नया अनुपात - पुराना अनुपात (15) (c) लाभ में उतार-चढ़ाव होते हैं (16) (c) पुराना अनुपात - लाभ अनुपात (17) (c) रोकड़ खाते में (18) (d) नए साझेदार के पूँजी खाते में (19) (a) पुराने साझेदारों की सहमति से (20) (a) साझेदार के प्रवेश पर (21) (a) पुराने अनुपात में (22) (b) लाभ में हिस्सा पाने के लिए (23) (c) पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में (24) (c) पुरानी साझेदारी पुनर्गठित होगी (25) (a) लाभ-हानि समायोजन/पुनर्मूल्यांकन खाता (26) (b) पुनर्मूल्यांकन खाता (27) (a) लाभ

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) सहायक (2) व्यवसाय (3) प्रतिफल (4) घटाते (5) वृद्धि

भाग -1 अध्याय – 4 एवं 5

साझेदार की निवृत्ति या मृत्यु, साझेदारी फर्म का विघटन

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) (a) पुराने लाभ-हानि अनुपात में (2) (a) लाभ (3) (a) दायित्व पक्ष में (4) (a) 4:1 (5) (a) उसकी / उसके ख्याति के हिस्से से (6) (b) 6% वार्षिक (7) (d)उत्तराधिकारियों को (8) (a) वसूली व्यय

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) पुराने अनुपात में (2) वृद्धि (3) साझेदारों (4) कारण (5) व्यापार (6) अनिवार्य (7) साझेदारी

निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए -

(1) असत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) सत्य

सही जोड़ी बनाइए -

(1) -(b) (2)-(a) (3)-(d) (4)-(c)

भाग-2 अध्याय – 1 एवं 2

कम्पनी लेखे - अंशपूँजी के लिए लेखांकन एवं ऋणपत्र का निर्गम

सही विकल्प चुनकर लिखिये -

(1) (d) प्रविवरण (2) (d)संचित पूंजी (3) (b)10% वार्षिक (4) (a)पूंजीगत लाभ (5) (b)अति अभिदान (6) (c)समता और पूर्वाधिकार अंश (7) (a)व्यक्तिगत खाता (8) (a)वैधानिक कृत्रिम व्यक्ति (9) (b)कम्पनी के स्वामी (10) (b) लाभांश (11) (b) 200 (12) (d) चुकता पूंजी (13) (b) लेनदार (14) (b) 6 माह (15) (a) पूंजीगत हानि (16) (c) ब्याज

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) कृत्रिम व्यक्ति (2) समता एवं दायित्व (3) पूर्वाधिकार अंश (4) पूंजीगत लाभ (5) अधिकतम 12% (6) दो (7) व्यक्तिगत (8) कम्पनी के कार्यक्षेत्र (9) लिखित (10) प्रबंध (11) भुगतान

निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए -

(1) सत्य (2) असत्य (3) असत्य (4) सत्य (5) सत्य (6) असत्य (7) असत्य (8) सत्य (9) सत्य (10) असत्य (11) सत्य (12) असत्य

सही जोड़ी बनाइए -

(1) -(e) (2)-(g) (3)-(a) (4)-(b) (5)-(c) (6)-(h) (7)-(i) (8)-(d) (9)-(f)

एक वाक्य में उत्तर दीजिये

(1) अंश (2) प्रवर्तक (3) प्रीमियम पर निर्गमन (4) परिवर्तनशील ऋणपत्र (5) ऋणपत्र

भाग-2 अध्याय – 3 एवं 4
कंपनी के वित्तिय विवरण , वित्तिय विवरणों का विश्लेषण

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(1) (a) विविध देनदार (2) (b) ख्याति (3) (d) भूमि (4) (d) भूमि भवन (5) (d) उपरोक्त सभी (6) (d) उपरोक्त सभी (7) (c) संचालन आय (8) (d) बिक्री व्यय

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) समान्तर विश्लेषण (2) लम्बवत विश्लेषण (3) अंतरिम लाभांश (4) आकस्मिक (5) मौद्रिक (6) ह्रास (7)अंतिम (8) अंशधारियों

सही जोड़ी बनाइए -

(1) -(c) (2)-(d) (3)-(a) (4)-(f) (5)-(b) (6)-(e)

निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए -

(1) सत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) सत्य (6) सत्य (7) सत्य (8) असत्य

एक वाक्य में उत्तर दीजिये

(1) तिथि विशेष पर (2) वित्तीय विश्लेषण (3) उत्पादन लागत बढ़ जाएगी (4) दीर्घकालीन (5) सम आकार विवरण (6

(2) सम विच्छेद बिंदु

भाग-2 अध्याय – 5 एवं 6
लेखांकन अनुपात ,रोकड़ प्रवाह विवरण

सही विकल्प चुनकर सही उत्तर लिखिए -

(1) (a) देनदार (2) (b) 2:1 (3) (a) लाभदायकता अनुपात (4) (a) 10,000 रुपए (5) (b) अम्ल परीक्षण (6) (d) सूचिबद्ध कंपनियों के लिये (7) (a) रोकड़ का स्टॉक रोकड़ का उपयोग (8) (b) प्राप्त रोकड़

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(1) दायित्व (2) दूसरी संख्या (3) चालू अनुपात (4) बाह्य (5) मौद्रिक (6) कुल संपत्ति

सही जोड़ी बनाइए -

(1) -(d) (2)-(a) (3)-(b) (4)-(c)

******